# अरबिंदो घोष

[स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस]

**श्री अरबिंदो** - एक राजनीतिक विचारक, नेता, कार्यकर्त्ता-पत्रकार और भारतीय सभ्यता और संस्कृति के विद्वान - **की जयंती 15 अगस्त, 2025** को मनाई गई।

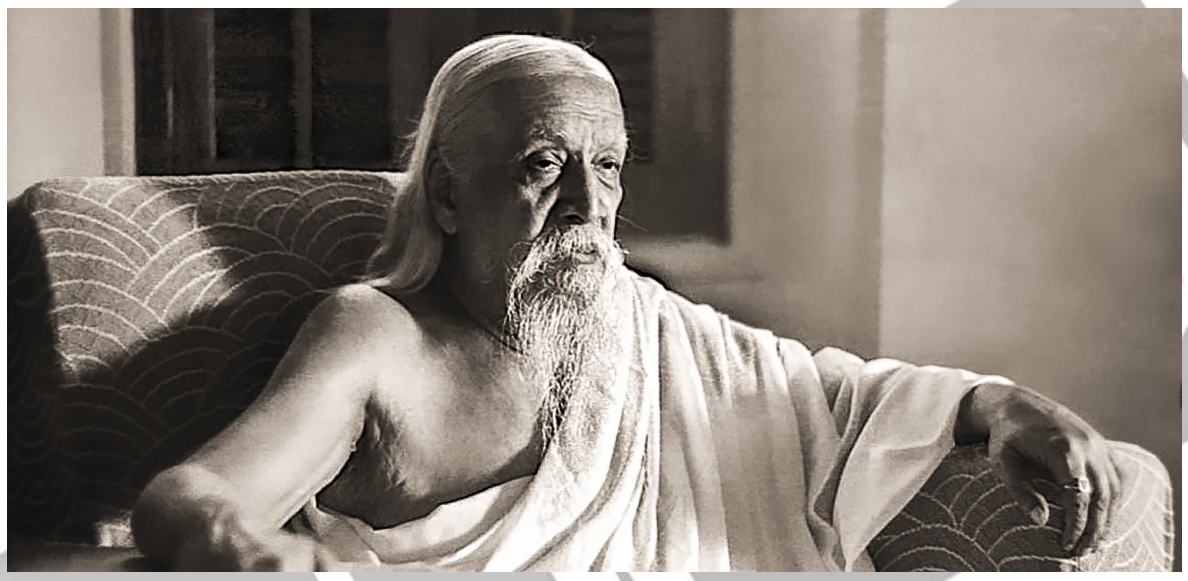

## अरबिंदो घोष

- **परिचय:** [अरबिंदो घोष] का जन्म 15 अगस्त, 1872 को कलकत्ता में हुआ था। वह एक **योगी, द्रष्टा, दार्शनिक, कवि और भारतीय राष्ट्रवादी** थे। उनका निधन **5 दिसंबर, 1950** को पुद्दुचेरी में हुआ था।
  - उन्होंने [भारतीय सिविल सेवा (ICS)] की परीक्षा उत्तीर्ण की थी, लेकिन **घुड़सवारी की परीक्षा** में शामिल नहीं हुए या असफल रहे, जिसके कारण **उन्होंने ब्रिटिश राज की नौकरशाही में कॅरियर** बनाने से इनकार कर दिया।
- **योगदान:**
  - **क्रांतिकारी जीवन: गांधीजी के नेतृत्व से पहले उन्होंने उग्र राष्ट्रवाद का समर्थन** किया बड़े पैमाने पर लामबंदी का आह्वान किया।
    - **न्यू लैम्प्स फॉर ओल्ड, अरबिंदो घोष द्वारा लिखे गए लेखों की एक शृंखला थी जिसमें कॉन्ग्रेस की उदारवादी नीतियों की आलोचना** की गई थी।
    - उन्हें **अलीपुर बम कांड (1908)** में गिरफ्तार किया गया और [चित्तरंजन दास] ने उनका सफलतापूर्वक बचाव किया।
  - **आध्यात्मिक और दार्शनिक:** उन्होंने पुद्दुचेरी में श्री अरबिंदो आश्रम (1926) की स्थापना की और **मीरा अल्फासा (माँ)** के साथ सहयोग किया, जिन्होंने बाद में एक **सार्वभौमिक टाउनशिप ऑरोविल** की स्थापना की।
  - **साहित्यिक योगदान:** उन्होंने कई महत्त्वपूर्ण रचनाएँ लिखीं, जिनमें *? ???? ??????, ??????????, ??????? ?? ? ????, ? ??????????? ?? ????, और ???????? ?? ??????? ??????* शामिल हैं।
    - उन्होंने **बंदे मातरम, युगांतर और कर्मयोगी** जैसी क्रांतिकारी पत्रिकाओं की स्थापना की और उनमें योगदान दिया तथा **अनुशीलन समिति जैसे युवा संगठनों** से भी जुड़े रहे।
    - उन्हें साहित्य में [नोबेल पुरस्कार] **(1943)** और [नोबेल शांति पुरस्कार] **(1950)** के लिये नामांकित किया गया था।
- **विरासत और प्रभाव:** वह भारत को *??????????* के रूप में देखने वाले प्रारंभिक विचारकों में से थे। उन्होंने **आध्यात्मिक नेतृत्व, उपनिवेशवाद से मुक्ति और भारतीय सभ्यता पर गर्व की भावना** को विशेष रूप से महत्त्व दिया।

**और पढ़ें:** [श्री अरबिंदो]

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/aurobindo-ghose